

नहरों के प्रभासी अधिकाशियों को जानिये

इं. अधीक्षण अभियन्ता, राप्ती नहर निर्माण मण्डल प्रथम, बलरामपुर, दूरभाष - 232160
इं. बालचन्द्र अधिशासी अभियन्ता, चित्तौड़गढ़ बाँध निर्माण खण्ड, बलरामपुर, दूरभाष - 232124

जलाशय	नहरें	अवर अभियन्ता	सहायक अभियन्ता	उप राजस्व अधिकारी	जिलेदार
चित्तौड़गढ़	पचपेड़वा मुख्य नहर, मा० बिथुनपुर, मा० तिलकहना, मा० भगौर, मा० छपिया, मा० माल्दा, मा० डुमरी, मा० लक्ष्मीनगर, शाखा रजड़ेरवा, मा० सोनपुर, रा० विजय नगर, मा० घवाई, मा० मनकौरा, मा० रमवापुर, मा० गनवरिया, मा० सिसवा, मा० नौबस्ता, मा० जमुनी, मा० आदम तारा, नैसड़ी मुख्य नहर किमी० ० से किमी० 10.0 तक, मा० अमवा, मा० डालपुर, मा० महुआ, मा० लठावर, मा० मझौली व मा० बखरकोटवा, नैसड़ी, मुख्य नहर 10.0 किमी० से 17.8 किमी० तक	श्री रज्जन लाल मुख्यालय-तुलसीपुर श्री रज्जन लाल मुख्यालय-तुलसीपुर श्री रज्जन लाल मुख्यालय-बलरामपुर श्री अबरार खाँ मुख्यालय-तुलसीपुर - तदैव -	इं. विजय प्रताप सिंह सहायक अभि० III मुख्यालय-तुलसीपुर - तदैव - - तदैव - इं. विजय प्रताप सिंह सहायक अभियन्ता II बलरामपुर - तदैव -	उप राजस्व अधिकारी	श्री सभा पति उपाध्याय कायवाहक जिलेदार III पचपेड़वा - तदैव - - तदैव - - तदैव - - तदैव -

सिंचाई विभाग

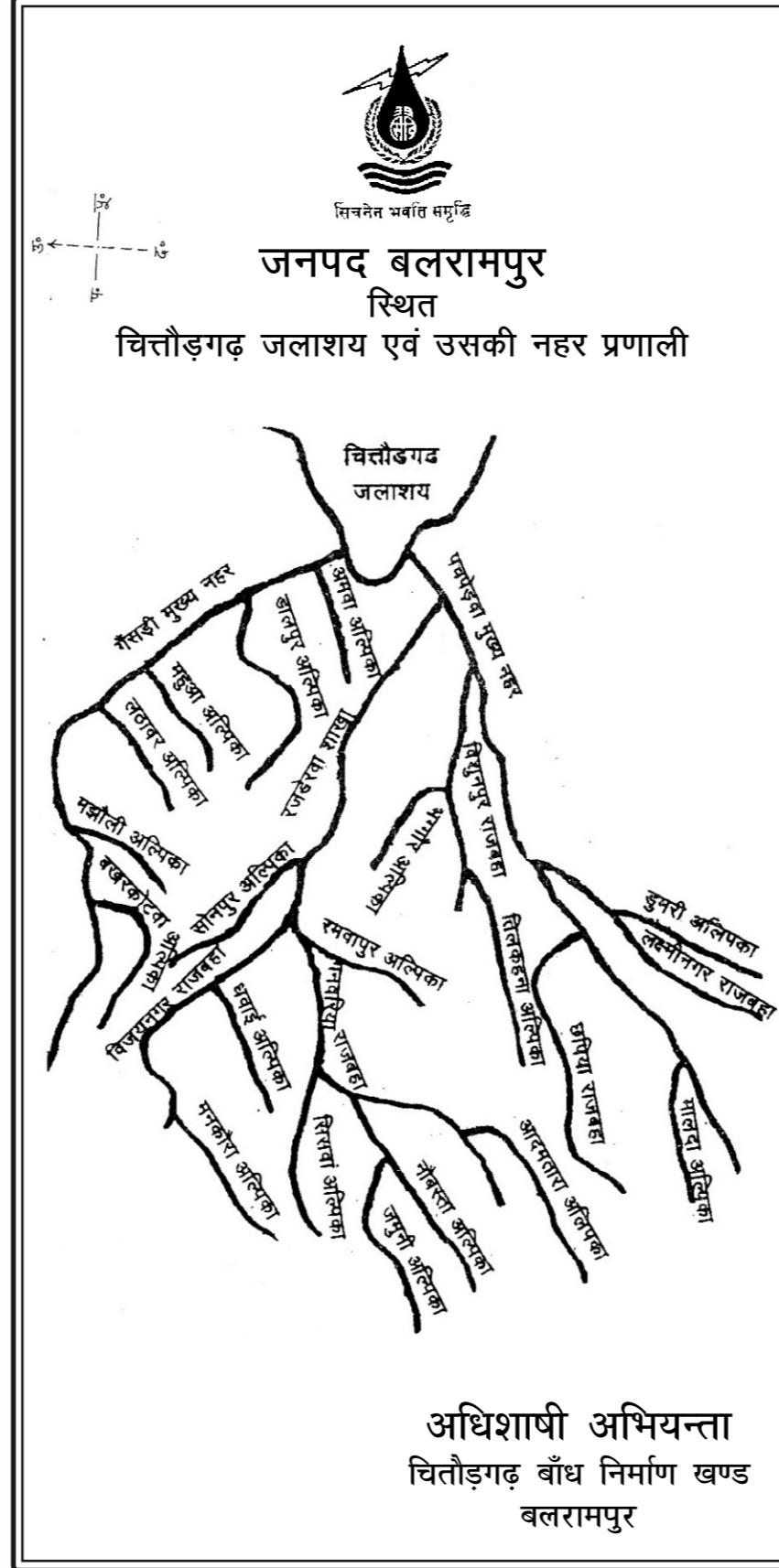
उत्तर प्रदेश

-: सिंचनेन समृद्धि भवति :-

रोस्टर खरीफ 1420 फसली-वर्ष 2012-2013

राप्ती नहर निर्माण मण्डल-प्रथम, बलरामपुर

चित्तौड़गढ़ बाँध निर्माण खण्ड, बलरामपुर



कृषकों हेतु सूचनाएँ :-

किसान भाइयों,

(अ) क्या आप जानते हैं कि :-

- (1) फसल को आवश्यकता से अधिक पानी देने पर कम उपज होती है ।
- (2) कुलावों की गूल ठीक दशा में न होने पर उसमें पानी देना बन्द किया जा सकता है ।
- (3) यदि किसी खेत का कुछ भाग सींचा गया हो और बाकी भाग 15 सेमी० ऊँची मेड़ से अलग न किया गया हो तो पूरे खेत पर सींच कर लगेगा ।
- (4) शामिल बरहा :- किसी नहर का पानी किसी खेत में गया और उसकी गूल में निजी साधन से पानी लेकर सींच की गयी हो तो नहर सिंचाई का सींचकर लगेगा । यदि पूरी फसल नहर का पानी न लेना हो तो अधिशासी अभियन्ता सिंचाई विभाग को फसल आरम्भ होने से पूर्व ही लिखित रूप में दे दें । इस अवस्था में शामिल बरहा नहीं होगा । परन्तु इसके बाद नहर से पानी लिया गया हो तो सिंचाई कर का चार गुना दण्ड सिंचाई करके अतिरिक्त लगेगा ।
- (5) तावान :- यदि किसी खेत की सिंचाई अवैधानिक ढंग से की गयी हो तो सींचकर के अतिरिक्त चार गुना तक कर लगाया जायेगा ।
- (6) आबजाया :- यदि नहर का पानी बिना बोए खेत में फैलता है तथा गहराई 15 सेमी० से अधिक हो तो दुगना, यदि 30 सेमी० से अधिक हो तो तीन गुना सींचकर जो उस फसल के लिए सबसे अधिक दर का होगा लगेगा ।
- (7) सिंचाई कर में छूट :- देवी आपदा जैसे ओला/पाला/टिड्डी/माहू आदि से फसल नष्ट हो जाय तो 50% से कम पर कुछ नहीं, 50% से 75% के कम पर आधा 75% से अधिक पर पूर्ण छूट सींचकर पर देय है ।
- (8) गलत इन्द्राज :- असिंचित खेत यदि सिंचित लिखित हो तो पर्चा विवरण के 2 दिन के अन्दर, यदि डाल खींच को तोड़ तथा गलत सींच अंकित हो तो 3 दिन के अन्दर प्रार्थना पत्र अधिशासी अभियन्ता/सहायक अभियन्ता/डी०आर० ओ० जिलेदार में से किसी को देना चाहिए अन्यथा अमान्य होगा । ध्यान रहे कि प्रार्थना-पत्र प्राप्त कराने के 15 दिन के अन्दर फसल न काटे ।

(ब) नहर से सम्बंधित समस्या हेतु निम्न से सम्पर्क करें ।

अधीक्षण अभियन्ता :- नये कुलावों की माँग, कमाण्ड विभाजन, दहन एवं स्थान परिवर्तन, नई नहरों तथा मार्गों का निर्माण एवं तावान के विरुद्ध अपील ।

अधिशासी अभियन्ता : नहरों का संचालन, नहरी सम्पत्ति की नीलामी एवं भूमि का प्रतिकर एवं खादी से हानि, नालों की सफाई तथा नहर पटरी पर वाहन चलाने की अनुमति, आबजाया एवं तावान ।

सहायक अभियन्ता :- कुलावों के स्थान एवं दहन की त्रुटि, पानी की माँग, नहरों की टेलों पर पानी की कमी एवं नहर तथा नालों की सफाई ।

उपराजस्व अधिकारी :- गलत इन्द्राज, फसल सोखत, मिसमारी गूल ।

अवर अभियन्ता :- टेलों पर पानी की कमी, खाँदी, कटिंग, नहर एवं नालों की सफाई, तथा कुलावों का सही ढंग से लगाना ।

क्या करें ।

- (क) 1. सिंचाई के पूर्व गूलों की सफाई करे ।
2. पानी उचित गहराई में ही लगायें ।
3. पानी लगाने के बाद कुलावा बन्द कर दे ।
4. पानी न मिलने पर अथवा नहरों से कटिंग खाँदी होने पर अवर अभियन्ता, सींचपाल अथवा जिलेदार को सूचित करे ।
- (ख) नहर न काटे, बंधा न लगाये, कुलावों के स्थान में परिवर्तन न करें, नहर की सड़क पर बैलगाड़ी, ट्रैक्टर अथवा ट्रक बिना पूर्व अनुमति के न ले जाय । दण्डनीय है ।
- (ग) समस्याओं के निराकरण हेतु :-

1. माह के द्वितीय बुधवार को जनपद स्तरीय सिंचाई बंधु बैठक में अधिशाषी अभियन्ता से एवं प्रत्येक कार्य दिवस को कार्यालय में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक अधीक्षण अभियन्ता/ अधिशाषी अभियन्ता/सहायक अभियन्ता से सम्पर्क किया जा सकता है ।

2. प्रत्येक माह के प्रथम मंगलवार एवं तृतीय मंगलवार को सिंचाई विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी "तहसील दिवस" कार्यक्रम के अन्तर्गत तहसील मुख्यालय पर उपलब्ध रहते हैं अपनी समस्याओं के निराकरण हेतु उक्त दिवस को उनसे सम्पर्क किया जा सकता है ।

अधिशाषी अभियन्ता

